कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023
एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न क्रं. 1 अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) रहिमन वहाँ न जाइए, जहाँ कपट को हेत।
हम तन टारत ढेकुली, सींचत अपनो खेत॥

(ख) चरण धरत चिंता करत, भावत नींद न भोर।
सुबरन को खोजत फिरत, कवि व्यभिचारी चोर॥

(ग) आसमुद्र के छितीश और जाति को गने।
राजभौन भौज को सबै जने गये बने॥
भाँति–भाँति अन्नपान व्यंजनादि जेवहीं।
देत नारि गारि पूरि भूरि–भूरि भदहीं॥

(घ) लसत गूजरी ऊज री बिलसत लाल इजार।
हियै हजारनि के हरै बैठी बाल बजार॥
जाकें अपने रूप को अति ही होय गुमान।

2. केशवदास के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 10

3. मतिराम की नायिका-भेद सम्बन्धी विशेषताएँ निरूपित कीजिए। 10

4. देव की कविता में वर्णित शृंगारेतर विषयों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए। 10

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के पूर्व के इतिहास ग्रंथों द्वारा रीतिकाव्य को समझने के प्रयासों का वर्णन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) नीतिकाव्य परम्परा में रहीम

(ख) कविप्रिया

(ग) केशवदास का आचार्यत्व

(घ) देव का काव्य-सौष्ठव